हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनको अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के . 8

वर्ष : 14 अंक : 274 | देहरादून, शनिवार 31 मई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर मुख्यमंत्री ने 'एक संवाद वीर सैनिकों के साथ' कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

हमारे सैनिकों का शौर्य और त्याग अद्वितीय व भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा दायक : मुख्यमंत्री

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को गढ़ीकैंट स्थित दून सैनिक इंस्टीट्यूट में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर 'एक संवाद = वीर सैनिकों के साथ' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सेवानिवृत्त सैनिकों की ट्रेनिंग के लिए एक सेंटर बनाया जायेगा। सैनिक कल्याण विभाग द्वारा इसके लिए कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सैनिकों ने शौर्य, त्याग और अटूट समर्पण की जो अद्वितीय मिसाल पेश की वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर कायरतापूर्ण हमला कर देश और दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी सेनाओं ने यह स्पष्ट किया कि भारत की बेटियों के सिंदूर की ओर आँख उठाने वालों का क्या परिणाम होता है। 7 मई को हमारी सेनाओं ने 9 बड़े आतंकी अड्डों को तबाह किया, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीति के कारण ही आतंकवाद के विरुद्ध इस निर्णायक कार्यवाही को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारे जवानों का मनोबल बढ़ाने के साथ ही सेना को अत्याधुनिक तकनीक और हथियारों से सुसज्जित किया जा रहा है।

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

अंकिता भंडारी के हत्यारों को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया, एसआईटी ने 500 पन्ने की चार्जशीट की थी दाखिल

इंडिया वार्ता ब्यूरो

कोटद्वार । वनंतरा प्रकरण में 26 माह तक चली सुनवाई के बाद शुक्रवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने भाजपा के पूर्व नेता विनोद आर्य के बेटे समेत तीन को युवती की हत्ष्या दोषी करार दिया है। वनंतरा प्रकरण के तीनों आरोपितों को हत्या का दोषी करार देते हुए एडीजे की अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही तीनों पर 50-50 हजार का आर्थिक जुर्माना भी लगाया गया है। इनमें रिजॉर्ट स्वामी पुलकित आर्य, प्रबंधक सौरभ भाष्कर व सहायक प्रबंधक अंकित गुप्ता उर्फ पुलकित शामिल हैं। सरकार पीड़िता के स्वजन को चार लाख का प्रतिकर देगी। कोर्ट ने तीनों आरोपियों रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य, उसके कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को हत्या के मामले में दोषी करार दिया है। इन पर 302, 201, 354, धाराओं में दोष सिद्ध हुआ है। तीनों हत्यारोपियों वनंत्रा रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य, उसके कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता पर आरोप तय होने के बाद 28 मार्च, 2023 से अभियोजन पक्ष की गवाही शुरू हुई। करीब दो साल और आठ महीने तक चली सुनवाई में अभियोजन पक्ष की ओर से विवेचक समेत 47 गवाह अदालत में परीक्षित कराए गए। हालांकि एसआईटी ने इस मामले में 97 गवाह बनाए थे, जिनमें से 47 अहम गवाहों को ही अदालत में पेश कराया गया।

इस मामले में जांच में जुटी एसआईटी टीम ने 500 पन्ने की चार्जशीट दाखिल की थी। करीब ढाई साल बाद अंकिता भंडारी हत्याकांड का फैसला आया है। कोर्ट के जजमेंट से पहले अंकिता भंडारी की मां और पिताजी का बयान सामने आया। अंकिता की मां सोनी देवी कोर्ट का फैसला आने से पहले फूट फूटकर रो पड़ीं और अंकिता के लिए इंसाफ की मांग की.। उन्होंने कहा कि वो चाहती हैं कि अंकिता के हत्यारों को फांसी की सजा हो। अंकिता के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी ने भी लोगों से अपील की है कि वो अंकिता को इंसाफ दिलाने में उनके साथ खड़े रहें और तीनों आरोपियों को मौत की सजा मिले। गौरतलब है कि उत्तराखंड के पौड़ी जिले के डोभ श्रीकोट गांव की रहने वाली 19 वर्षीय अंकिता भंडारी ऋषिकेश के पास गंगा भोगपुर में वनंतरा रिज़ॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम किया करती थी। बीते 18 सितंबर 2022 को अंकिता अचानक रिसोर्ट से लापता हो गई। परिजनों ने राजस्व पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई लेकिन उचित कार्यवाही ना होने के चलते. 21 सितंबर 2022 को मामला लक्ष्मण झूला थाना पुलिस को ट्रांसफर किया गया। 21 सितंबर 2022 को मुख्य आरोपी रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य, मैनेजर सौरभ भास्कर और डिप्टी मैनेजर अंकित गुप्ता की गिरफ्तारी हुई। बीते 24 सितंबर 2022 को अंकिता का शव ऋषिकेश की चीला नहर से बरामद हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत और शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए। 24 सितंबर 2022 को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर टीम का गठन किया गया। अंकिता हत्याकांड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्य के पिता पूर्व राज्य मंत्री विनोद आर्य, और उसके भाई अंकित आर्य को पद मुक्त करते हुए भाजपा से निष्कासित कर दिया गया।

मुख्य सचिव ने की मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सीएम घोषणाओं को पूर्ण किए जाने में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री घोषणाओं को प्राथमिकता पर लिया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित एवं राज्यहित की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने योजनाओं को पोर्टल पर लगातार अद्यतन किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि विभागों को भी पोर्टल पर अपनी अद्यतन स्थिति देखे जाने का प्राविधान किया जाए। उन्होंने विभागों को घोषणाओं की प्रगति की अद्यतन सूचना मुख्यमंत्री घोषणा सेल को समय-समय पर उपलब्ध कराए जाने के भी निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने शासन को टीएसी एवं ईएफसी आदि के लिए भेजे गए प्रस्तावों को एक माह में निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान शहरी विकास, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग एवं सिंचाई विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने सीएम घोषणाओं पर विभागों की प्रगति पर संतुष्टि व्यक्त की। इस अवसर पर सचिव नितेश कुमार झा, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, एस.एन. पाण्डेय एवं महानिदेशक शिक्षा अभिषेक रोहेला अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कोविड से बचाव के लिए योग करने का आह्वान

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। दून योग पीठ देहरादून द्वारा अंतराष्ट्रीय योग दिवस के लिए आयोजित विशेष योग जागरूकता अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को गांधी पार्क में फिर से दस्तक दे रहे कोरोना से बचने के लिए लोगों को योग, प्राणायाम और आयुर्वेद को जीवन का जरूरी हिस्सा बनाने की अपील की गई। उपस्थित योग साधकों को प्रार्थना, खड़े होकर, बैठकर, पेट के बल लेटकर और पीठ के बल लेट कर किए जाने वाले योगाभ्यास कराए गए। साथ ही कोरोना महामारी सहित अन्य वायरल बीमारियों में प्राणायाम को रामबाण बताया गया। इस अवसर पर योग शिक्षक विनय प्रकाश, योगाचार्य अंबिका उनियाल और अदिति उनियाल ने योगाभ्यास कराया।

सम्पादकीय

भविष्य की तलाश

दुनिया के सबसे ज्यादा युवा आबादी वाले देश में आत्महत्या की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। आए दिन समाचार पत्रों में महिलाओं द्वारा बच्चों समेत जहर खाकर अथवा अन्य कोई तरीका अपना कर आत्महत्या करने के समाचार आते रहते हैं वहीं दूसरी ओर कर्ज चुकाने में असमर्थ या प्यार में धोखा खाए कुछ लोग भी की बार एकल या सपरिवार सुसाइड कर लेते हैं यह समाचार भी लगातार सुर्खियां बनते रहते हैं इन्हीं के बीच अब किसानों की आत्महत्या के मामले तो कम सुर्खियां बटोर रहे हैं लेकिन नीट आइआइटी प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे किशोर व युवा छात्रों की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं किशोर व युवा छात्र-छात्राओं द्वारा परीक्षाओं की तैयारी अथवा परीक्षाओं में अनुकूल रिजल्ट नहीं मिल पाने पर लगातार मौत को गले लगाना घोर चिंता का विषय बना हुआ है। अब वह माता-पिता जो इंजीनियर और डॉक्टर बनने की चाह में अपने बेटे बेटियों को घर परिवार से सैकडो हजार किलोमीटर दूर कोटा जैसे कोचिंग शहर में बेहतर भविष्य की तलाश में कोचिंग सेंटर में लाखों रुपए देकर प्रवेश कराते हैं जब उनके जिगर का टुकड़ा बीच पढ़ाई के रास्ते में ही अचानक दम तोड़ देता है तो उनके दिल पर क्या बीतती होगी इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। कोटा के कोचिंग सेंटर में पिछले 10 साल के अंदर करीब दो सौ से अधिक परिवार अपने घर के चिराग बुझा चुके हैं यह आंकड़े बेहद दिल दहला देने वाले हैं जब भी कोई नई घटना होती है तो सरकार और मीडिया में शोर शराबा होता है टेलीविजन पर डिबेट होती है तमाम तरह के उपाय उठाने की बात कही जाती हैं लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात क्योंकि हजारों करोड़ का व्यवसाय कर रहे शहर के कोचिंग व्यवसाईयों पर इन सुसाइड केसों से कोई फर्क नहीं पड़ता किसी सरकार किसी मंत्री किसी शिक्षा विभाग पर भी इन सुसाइड केस से कोई संवेदना नहीं जागती सिर्फ दिखावे भर के लिए सरकारी तंत्र और हजारों करोड़ का व्यवसाय कर रहे कोचिंग मलिक एक-दो दिन के लिए मगरमच्छी आंसू बहाते हैं इसके बाद कैस को साइड बैक करने के लिए तमाम तरह के प्रयास किए जाते हैं। छात्रों के मनोरंजन व तनाव दूर करने के लिए तनाव में होने पर उन्हें समय रहते काउंसलिंग कराने के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन स्थिति इसके बिलकुल उलट होती है नीट और आइआइटी जीमैंस की तैयारी करने के लिए आने वाले लाखों छात्र छात्राओं पर इतना अधिक तनाव भरा बोझ लाद दिया जाता है कि वह उसके नीचे दबकर रह जाते हैं एक और माता -पिता का लाखों का खर्चा दूसरी ओर माता-पिता की महत्वाकांक्षाएं और उसके बाद बच्चे का मनोबल बढ़ाने के लिए कोई भी साधन पास उपलब्ध नहीं होना लगातार बच्चों में अवसाद का कारण बनता है।

सफलता-असफलता के बीच का संतुलन,प्रयास, श्रम और संकल्प

संजीव ठाकुर

आकस्मिक बड़ी सफलता एवं भारी असफलता आदमी पचा नहीं पाता मानसिक संतुलन बिगड़ने की संभावना बढ़ जाती है। सफलता तो फिर भी व्यक्ति खुशी से आत्मसात कर लेता है पर असफलता को झेलने के लिए आत्मविश्वास,मनोबल की परम आवश्यकता होती हैद्यअसफलता ऐसा स्वाद है जिसे हर व्यक्ति ने जीवन में कभी ना कभी जरूर चखा होगा। असफल होने से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। महापुरुषों ने कहा है कि असफलता यह दर्शाती है कि आपने प्रयास पूरे मन से नहीं किया है अत: असफलता के बाद सफलता के लक्ष्य को निर्धारित कर पूर्ण मनोयोग से कर्म की वेदी पर अपना शीश नवाना चाहिए। जीवन में असफलता किसी लक्ष्य को स्थापित करने का ही परिणाम है, इसीलिए इसे बड़े ही सौजन्यता से, सहज तरीके से आत्मसात करना चाहिए। सकारात्मक तरीके से आत्मविश्वास के साथ स्वीकार की गई असफलता मनुष्य को बड़े लक्ष्य की ओर प्रयास करने के लिए संकेत देती है। बिना असफलता के सफलता कोई भी स्वाद नहीं देती है। असफलता के बाद ही सफलता के के लिए किए गए प्रयासों का महत्त्व मनुष्य को अपने जीवन में पता लगता है। शायर फैज अहमद फैज ने कहा है

दिल ना उम्मीद तो नहीं नाकाम ही तो है,
लंबी है गम की शाम मगर शाम ही तो है।

असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है और यह सामान्य मानवीय कृत्य भी है। असफल होने के कारणों का पता लगाकर सफलता के लिए प्रयास हमेशा हमें दोगुना कर देना चाहिए। यह भी जरूरी नहीं है कि एक बार सफल होने के बाद मनुष्य सदैव सफल ही होता रहे इसके लिए मनुष्य को लगातार चिंतनशील, आत्म विश्वासी, साहसी और सतर्क होना पड़ेगा। सफल होने के लिए हमें हमेशा हुनरवान होना होगा जिससे इसी हुनर से हमें सफलता का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। यह सर्वविदित सच्चाई है कि हमें सफलता के लिये साहस और हुनर का उपयोग कर सदैव अग्रसर होते रहना होगा। सफलता एक लक्ष्य और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव सफलता की सीढ़ी चढ़कर हमें वहां पहुंचने की आवश्यकता है।

आत्मविश्वास का अर्थ शक्ति और ऊर्जा तो है और यह संपूर्ण रूप से हमारे प्रयासों हमारे संकल्प और साहब से जुड़ा हुआ प्रतिफल भी है। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश है। हमारे देश के लाखों, करोड़ों युवाओं का जीवन लक्ष्य हीन है वे बहुत सारी इच्छाएं और महत्वकांक्षी रखते तो हैं पर उसके पीछे कड़ी मेहनत पक्का इरादा नहीं रखने की भूल कर देते हैं और यही कारण है कि वे जीवन में इधर उधर भटक कर अत्यंत निराश होकर अपने जीवन को नशे और अन्य निराशाजनक मार्ग को अपना लेते हैं। प्रयास तथा कठिन परिश्रम की कमी ही युवा वर्ग की भटकाव की स्थिति की परिणति है। आज का युवा बिना सुनियोजित प्रयास के लक्ष्य की प्राप्ति की आकांक्षा रखने लगे हैं और असफल होने के बाद उसका मूल्यांकन ना कर असफल होकर किसी अन्य मार्ग को चुनने के लिए बाध्य हो जाते युवाओं की यह मानसिक स्थिति बड़ी आया हुआ है जो समाज के लिए निर्णायक साबित होती है और एक बड़ा युवा वर्ग गलत मार्ग की ओर प्रशस्त हो जाता है। ऐसे में युवाओं का जीवन बहुत ही कष्टदायक हो सकता है। युवा वर्ग को चाहिए कि लक्ष्य निर्धारित कर उसके लिए निरंतर कोशिश है और निरंतर श्रम करना चाहिए इसके बाद भी यदि असफलता मिलती है तो सम्यक मूल्यांकन कर असफलता के कारणों को दूर कर दुगनी रफ़्तार से मेहनत कर उच्च लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। आज युवा आगे बढ़कर देश का जिम्मेदार नागरिक बनेगा ऐसे में युवाओं को सदैव लक्ष्य प्राप्ति और सफलता प्राप्ति के लिए निरंतर कठिन श्रम प्रयास संकल्प और अपनी जीवनी को नियमित रखना होगा जिससे घर, समाज और राष्ट्र की उन्नति भी होगी। उल्लेखनीय है की असफलता से ही सफलता की तमाम शिक्षा हमें प्राप्त होती है। विवेकानंद जी ने कहा है कि

ब्रह्मांड की सारी शक्तियां हमारे ही भीतर ही है यह हम ही हैं जिन्होंने अपनी आंखों के सामने हाथ रखा है और रोते हुए कहते हैं कि अंधेरा है।

मनुष्य के जीवन में आत्मविश्वास ही ऐसा गुण है जिससे हम संकल्पित होकर बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त कर जीवन में सफलता के झंडे गाड़ सकते हैं। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी लाल बहादुर शास्त्री, नरेंद्र मोदी और सबसे बड़े सफलता के और आत्मविश्वास के उदाहरण महात्मा गांधी ही हैं जिन्होंने आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से देश को आजादी दिलाने का महान कार्य किया है। फिर ऐसा क्या है कि देश के युवा वर्ग की बड़ी जनसंख्या हाथ में हाथ धरे सफलता का बैठे-बैठे इंतजार करना चाहती है।

देश के नौजवानों को हमारे सफल महापुरुषों से शिक्षा लेकर सफलता के लिए अनंत तक आत्मविश्वास के साथ निरंतर श्रम करना चाहिए जिससे न सिर्फ उनका भला हो बल्कि पूरे समाज और पूरे देश का भला हो सके और देश पूरे विश्व में सीना तान कर अपने आसपास और सफलता की गाथा सुना सके। यह देखा गया है कि मानव अहंकार को ही आत्मविश्वास समझने की भूल कर देते हैं किंतु आत्मविश्वास घमंड और अहंकार मैं बहुत बड़ा फर्क है। आत्मविश्वास अहंकार विहीन विनम्रता के साथ परिश्रम और संयम संकल्प लेकर सफलता के लक्ष्य की ओर पदार्पण ही है। फल स्वरुप अहंकार को त्याग कर संपूर्ण विश्वास को लेकर देश हित में सफलता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

गोल्ड कप में कोलकाता ने झारखंड को दी शिकस्त

देहरादून । ऑल इंडिया उत्तराखंड गोल्ड कप क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को एएंडएस कोलकाता ने झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन को छह विकेट से शिकस्त दी। आयुष क्रिकेट एकेडमी में दोनों टीमों के बीच मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड ने निर्धारित 22 ओवरों में सात विकेट खोकर 178 रनों का लक्ष्य बनाया। इसमें अर्णव सिन्हा ने सर्वाधिक 65, पंकज कुमार ने 43, रनों की पारी खेली। कोलकाता के लिए देव लकरा ने पांच ओवर में 33 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता शुरुआत से ही तेज खेली। तनमय के 24 और कप्तान रोहित शर्मा के 28 रनों की बदौलत टीम को बेहतर शुरुआत मिली। इसके बाद अंकित कुमार ने 63 और ध्रुव सिंह ने 47 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें
संपादक
दैनिक इंडिया वार्ता
प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग
हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)
मोबाईल न.- 7500581414,9359555222
Email: indiawarta@gmail.com

प्रशासन का चला डंडा तो बैकफुट पर आए नामी, गिरामी निजी स्कूल

फीस बढोतरी का खेल भी सामने आया स्कूल प्रबन्धन द्वारा लिखित रूप से स्कूल फीस स्कूल, भनियावाला का मामला सामने

मा0 मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन का शिक्षा माफियाओं पर प्रहार जारी

द प्रसिडेंसी इन्टरनेशनल स्कूल, भनियावाला का लिखित रूप से फीस कम करने का जिला प्रशासन को पत्र

प्रशासन के हाथ जब पंहुचे शिक्षा माफियाओं के कालर तक, तब सुधरने लगा विद्यालयों का फीस स्ट्रक्चर

प्रशासन के बुलाने के बाद भी नहीं हुए थे हाजिर, प्रशासन में खंगाले कागज तो सामने आया सच

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मा0 मुख्यमंत्री के निर्देशों के परिपालन में जिला प्रशासन देहरादून जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशन में शिक्षा माफियाओं पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। अभिभावकों से फीस के नाम पर वसूली की शिकायतों पर जिला प्रशासन द्वारा शहर के कई नामी-गिरामी निजी स्कूलों पर कार्यवाही से जहां शिक्षा माफियाओं के हौसले पस्त हुए हैं वही बड़े-बड़े स्कूलों का फीस बढोतरी का खेल भी सामने आया है। फीस बढोतरी पर जिला प्रशासन की जीरो टालरेंस की नीति अपनाए हुए है।

जिला प्रशासन के कड़े रूख और निरंतर प्रवर्तन की कार्यवाही से जहां निजी नामी गिरामी स्कूलों के तेवर ढीले हो गए हैं, वहीं स्कूल प्रबन्धन अब अपनी फीस घटा रहे। ताजा मामला द प्रेसिडेंसी इन्टरनेशनल स्कूल भानियावाला का है, स्कूल प्रबन्धन द्वारा लिखित रूप से स्कूल फीस कम करने का पत्र प्रशासन को दिया है। जिला प्रशासन की दृढ़ इच्छा शक्ति के आगे अब शिक्षा माफियाओं के हौसले नहीं टिक पा रहे हैं, जिससे जिले के कई नामी गिरामी स्कूल अब मनमर्जी फीस बढोतरी पर आए बैकफुट पर आएं है। जिला प्रशासन ने जैसे ही सख्ताई दिखाई तो धीरे-2 स्कूल फीस बढोतरी का खेल भी खुलने लगा। द प्रसिडेंसी इन्टरनेशनल स्कूल, भनियावाला का मामला सामने आया है जहां 100 से अधिक अभिभावकों ने फीस बढ़ोतरी की थी शिकायत, बिना मान्यता नवीनीकरण के स्कूल संचालित होने पर प्रशासन ने लगाई रू0 5,20,000 शास्ति लगाई थी। अब स्कूल प्रबन्धन द्वारा जिला प्रशासन को लिखित रूप फीस कम करने का पत्र दिया है।

मा0 मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन, जिला प्रशासन के सतत् प्रयास, शिक्षा की धारा में लौटते बच्चे

जिला प्रशासन का माइक्रोप्लान होता दिख रहा कामयाब, बच्चे ले रहे शिक्षा में रूचि

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। मा0 मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं जिलाधिकारी सविन बंसल के सतत् प्रयासों से भिक्षावृत्ति, बाल मजदूरी से मुक्त कराए गए बच्चे राज्य के पहले इन्टेंसिव केयर शेल्टर में शिक्षा की धारा से जुड़ने लगे हैं, जहां दिन प्रतिदिन बच्चों की संख्या भी बढती जा रही है। शिक्षा का रास्ता दिखाने वाले इस मंदिर में बच्चें, संगीत, योग, खेल एक्टिविटी के साथ ही शिक्षा में रूचि ले रहे हैं, जो कि राज्य एवं जनपद के लिए एक अच्छा संकेत है। जिलाधिकारी सविन बंसल के इस माइक्रोप्लान के तहत तैयार किए गए राज्य के पहले आधुनिक इन्टेंसिव केयर शेल्टर से जंहा भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू कर आखर ज्ञान के साथ ही तकनीकि ज्ञान तथा संगीत एवं अन्य गतिविधि के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। डीएम के माईक्रोप्लान से जहां सड़कों पर भिक्षावृत्ति करते बच्चों को रेस्क्यू कर मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। साधुराम इन्टर कालेज में बनाए गए आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर में विशेषज्ञ शिक्षक अपनी-अपनी विधा योग, संगीत, खेल, नाटक मंचन, कम्प्यूटर शिक्षा से बच्चों को पारंगत कर रहे है। साधुराम इन्टर कालेज में बनाए गए राज्य के पहले आधुनिक इन्टेसिंव केयर शैल्टर में बच्चों की शिक्षा के साथ ही कम्प्यूटर ज्ञान एवं संगीत से जोड़कर बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जाड़ने के लिए आधुनिक सुविधाएं भी स्थापित की गई हैं। कम्प्यूटररूम, म्यूजिकरूम आदि सभी सुविधाएं स्थापित की गई हैं। अब भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किए गए बच्चे तकनीकि ज्ञान के साथ संगीत शिक्षा भी प्राप्त करेंगे। आधुनिक इन्टेंसिव केयर शेल्टर में प्रतिदिन 25-30 बच्चे कक्षाओं में पढाई कर हैं, जिनके भावी भविष्य को सुधारने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। अब तक 19 बच्चों को शिक्षा की मुख्यधसारा से जोड़ते हुए स्कूल में दाखिला करा दिया गया है। शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों में रेस्क्यू किये बच्चों सहित संस्थानों एवं घरों से भी बच्चे आ रहे हैं। इस मुहिम से जहां बच्चों में शिक्षा के प्रतिरूचि बढ रही है साथ ही संगीत, चित्रकला, कम्प्यूटर ज्ञान, खेल के माध्मय से बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ा जा रहा है। आधुनिक केयर शेल्टर में निजी स्कूल/संस्थान की भांति सुविधाएं विकसित की गई हैं। साधुराम इंटर कॉलेज में बनाए जा रहे आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर में भिक्षावृत्ति से मुक्त कराए गए बच्चों को अन्य बच्चों की भांति मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मॉडल इन्टेसिव केयर शैल्टर को युद्धस्तर पर विकसित किया जा रहा है, जिसमें बच्चों के शैक्षणिक एवं कौशल विकास को विकसित करने हेतु स्वंयसेवी, विशेषज्ञों द्वारा बच्चों के सर्वागीण विकास में योगदान दिया जा रहा है। जहां बच्चों के लिए पठन-पाठन हेतु कक्षा कक्ष को विकसित किया गया। अब उक्त परिसर में कम्प्यूटर उपकरण स्थापित कर दिए गए हैं । साथ ही संगीत कक्ष स्थापित करते हुए उपकरण को संजोया गया है। उक्त आधुनिक इन्टेंसिव केयर शैल्टर का उद्देश्य इन बच्चों को शैक्षिक विकास हेतु रूचि उत्पन्न करने हेतु आदर्श वातावरण तैयार कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने कार्य किया जा रहा है। आधुनिक केयर शैल्टर में जहां बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था है वहीं बच्चों का नियमित स्वास्थ्य जांच भी की जा रही है।

"अंकिता को अभी भी पूरा न्याय नहीं मिला असली 'VIP' आज भी पर्दे के पीछे!": विकास नेगी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

कोटद्वार । उत्तराखंड की होनहार बेटी अंकिता भंडारी की नृशंस हत्या ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। आज कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सज़ा केवल एक सीमित न्याय है, जबकि जनता यह जानना चाहती है कि उस रहस्यमय 'VIP' का चेहरा कौन था, जिसके लिए अंकिता पर अनैतिक दबाव डाला जा रहा था।

उत्तराखंड कांग्रेस सोशल मीडिया के प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी ने कड़े शब्दों में कहा:

"यह केवल हत्या नहीं थी, यह एक सोची-समझी साजिश थी जिसमें सत्ता, पैसे और प्रभाव का खुला दुरुपयोग हुआ। अब तक वह VIP कौन था, यह सरकार ने नहीं बताया - आखिर क्या वजह है कि वह नाम अभी भी जनता से छिपाया जा रहा है?

उन्होंने कहा कि इस मामले में शुरू से ही सरकारी संरक्षण और सबूत मिटाने की साजिश साफ दिखाई दी -

-आरोपियों को बचाने की कोशिश

-रिसॉर्ट को रातों-रात गिराया जाना

-CCTV फुटेज गायब होना

-जांच में लापरवाही और देरी

विकास नेगी ने कहा: आज जब आरोपियों को उम्रकैद मिली है, तब भी उत्तराखंड की जनता का सबसे बड़ा सवाल अनुत्तरित है - वह VIP कौन है? अगर न्याय अधूरा है, तो यह व्यवस्था पर जनता का भरोसा भी कमजोर करता है।

उत्तराखंड कांग्रेस की तीन प्रमुख मांगें-

1. VIP की पहचान सार्वजनिक की जाए और उस पर कानूनी कार्रवाई हो।
2. सुप्रीम कोर्ट में अपील कर फांसी की सज़ा की मांग की जाए।
3. एक स्वतंत्र न्यायिक जांच आयोग गठित किया जाए, जो इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करे।

विकास नेगी ने अंत में कहा "यह मामला सिर्फ अंकिता का नहीं है - यह पूरे प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा, न्याय और सम्मान से जुड़ा हुआ सवाल है। उत्तराखंड कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ आखिरी सांस तक आवाज़ उठाती रहेगी। हम सोशल मीडिया, सड़कों और संसद तक, हर मंच पर इस न्याय की लड़ाई को मजबूत करेंगे।

आईडीबीआई बैंक द्वारा दो दिवसीय एंटरप्राइज कंप्लायंस एंड गाइडेंस पर प्रशिक्षण किया गया आयोजित

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। देहरादून के डोईवाला विकासखण्ड की दूधली ग्राम पंचायत में आईडीबीआई बैंक द्वारा वितपोषित व भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद द्वारा संचालित प्रोजेक्ट राइज के तहत दो दिवसीय एंटरप्राइज कंप्लायंस एंड गाइडेंस पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 28 महिलाओं ने भाग लिया, जिन्होंने मोटे अनाज से निर्मित उत्पादों के निर्माण और मार्केटिंग के लिए आवश्यक लाइसेंस और कंप्लायंस के बारे में जानकारी प्राप्त की। मास्टर ट्रेनर अंजना नेगी ने महिलाओं को FSSAI, IPR, उद्यम रजिस्ट्रेशन और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी, जिससे वे अपने व्यवसाय को नियमों के अनुसार चला सकें और सफलता प्राप्त कर सकें। प्रोजेक्ट राइज के माध्यम से महिलाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे अपने उत्पादों को बाजार में सफलतापूर्वक प्रस्तुत कर सकें और अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे सकें।

ई-कॉमर्स कंपनियां डार्क पैटर्न की पहचान करें, फिर हटाने के लिए करें सेल्फ-ऑडिट : मंत्री प्रल्हाद जोशी

नईदिल्ली,एंजेंसी। डिजिटल कॉमर्स में डार्क पैटर्न को लेकर बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए सरकार ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को उपभोक्ता संरक्षण के अनुपालन में डार्क पैटर्न का एनालिसिस करने और उसे हटाने के लिए सेल्फ-ऑडिट के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने जिम्मेदार उद्योग व्यवहार के महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने सभी कंपनियों से दिशानिर्देशों का पूरी तरह से पालन करने और उन्हें आंतरिक प्रशासन और उपभोक्ता संरक्षण तंत्र में एकीकृत करने का आग्रह किया। एक उच्च स्तरीय हितधारक बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज के उपभोक्ता सतर्क, सूचित और अपने अधिकारों के प्रति तेजी से जागरूक हो रहे हैं, वे धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उपभोक्ता मामले विभाग ने भ्रामक ऑनलाइन आचरण को समाप्त करने पर केंद्रित बातचीत के लिए एक बैठक बुलाई। इस बैठक में प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों, उद्योग संघों, स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों और राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के प्रमुख प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर डार्क पैटर्न से जुड़े उपभोक्ता शिकायतों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने सभी प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों को स्पष्ट निर्देश जारी किया कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न की पहचान करने और उन्हें खत्म करने के लिए नियमित आंतरिक ऑडिट करें। उन्होंने कहा, कंपनियों को केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की कार्यवाही का इंतजार नहीं करना चाहिए। उन्हें नोटिस जारी होने से पहले इन भ्रामक आचरण को सक्रिय रूप से पहचानना चाहिए और उन्हें खत्म करना चाहिए। यह केवल विनियामक का अनुपालन नहीं है, यह कंपनियों का उपभोक्ताओं के साथ विश्वास बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि डार्क पैटर्न बस्टर हैकाथॉन 2023 के जरिए सामने आए रचनात्मक विचारों और तकनीकी समाधानों ने आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर विभाग को तीन शक्तिशाली उपभोक्ता संरक्षण उपकरण - जागृति ऐप, जागो ग्राहक जागो ऐप और जागृति डैशबोर्ड विकसित करने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा, ये उपकरण ऑनलाइन उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाली भ्रामक डिजाइन आचरण से निपटने के हमारे संकल्प का प्रमाण हैं।

उन्होंने बताया कि जागृति ऐप उपभोक्ताओं को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न की रिपोर्ट सीधे सीसीपीए को करने में सक्षम बनाता है और संदिग्ध वेबसाइटों की पहचान करता है, जबकि जागो ग्राहक जागो ऐप उपयोगकर्ताओं को जाली प्लेटफॉर्म से बचाता है और उपभोक्ता द्वारा देखे जा रहे ई-कॉमर्स लिंक के लिए रियल टाइम सुरक्षा स्कोर प्रदान करता है।

इसके अलावा, जागृति डैशबोर्ड एक मजबूत विश्लेषणात्मक उपकरण के रूप में कार्य करता है, जो सीसीपीए की जांच के तहत ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के लिए डार्क पैटर्न पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करता है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ये प्रयास डिजिटल बाजार में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत ने 78 देशों में 600 से अधिक विकास परियोजनाएं शुरू कीं: विदेश मंत्री एस. जयशंकर

वडोदरा,एंजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पारुल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहा कि भारत ने विभिन्न महाद्वीपों के 78 देशों में 600 से अधिक विकास परियोजनाएं शुरू की हैं. यह भारत की वैश्विक भूमिका और विकासशील देशों के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है.

सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ी उदारता

जयशंकर ने कहा, "हमारे संसाधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन भारत का दिल बड़ा है." कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने 99 देशों को टीके और 150 देशों को दवाइयां उपलब्ध कराकर वैश्विक स्वास्थ्य संकट में अपनी उदारता का प्रदर्शन किया.

ग्लोबल साउथ के प्रति भारत का समर्थन

विदेश मंत्री ने बताया, जब हम वैश्विक दक्षिण के हितों की वकालत करते हैं, तो यह केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि साझा अनुभव और समझदारी पर आधारित होता है. उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति अनुभव साझा करने और क्षमता निर्माण पर केंद्रित है, जिससे साझेदार देश बेहतर निर्णय ले सकें.

भारत की अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं

जयशंकर ने तंजानिया, मोजाम्बिक, मालदीव, मलावी सहित कई देशों में भारत की विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया. उन्होंने भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, नाइजीरिया, बेनिन और गाम्बिया में बिजली और ऊर्जा क्षेत्र में किए गए कार्यों पर भी प्रकाश डाला.

वैश्विक चुनौतियां और सहयोग की आवश्यकता

विदेश मंत्री ने कोविड-19 महामारी, यूक्रेन संघर्ष, खाद्यान्न और उर्वरक की कमी, कर्ज संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है.

छात्रों के लिए प्रेरणा और संदेश

अंत में, जयशंकर ने छात्रों को मानवता के सामने मौजूद चुनौतियों को समझने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने भारत की वैश्विक जिम्मेदारी और विकासशील देशों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जो देश की विदेश नीति और वैश्विक भागीदारी का प्रमाण है.

मस्क ने छोड़ा ट्रंप प्रशासन का साथ, सलाहकार पद से दिया इस्तीफा

वाशिंगटन ,एंजेंसी। एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में अपनी भूमिका से हटने की घोषणा की है, जिससे सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के साथ विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख और अरबपति उद्यमी एलन मस्क को संघीय नौकरशाही को सुव्यवस्थित करने और बेकार सरकारी खर्च को कम करने के प्रयासों का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया था। बुधवार को एक्स पर हुए मस्क ने अपनी बात रखी। उन्होंने सेवा का अवसर देने के लिए आभार जताया।

मस्क ने लिखा, विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा निर्धारित कार्यकाल समाप्त हो रहा है, ऐसे में मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सरकारी खर्च को कम करने के दिए गए अवसर के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, डीओजीई मिशन समय के साथ और मजबूत होता जाएगा।

मस्क की यह घोषणा ट्रंप के विधायी एजेंडे की आधारशिला की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के ठीक एक दिन बाद आई है।

सीबीएस के साथ एक साक्षात्कार में टेस्ला के सीईओ मस्क ने ट्रंप की ओर से कहे गए बड़े सुंदर विधेयक पर निराशा व्यक्त की, जिसमें व्यापक कर कटौती के साथ-साथ कठोर आव्रजन प्रवर्तन का प्रावधान है।

इस विधेयक को बहुत बड़ा व्यय विधेयक बताते हुए मस्क ने कहा कि यह उनके विभाग के लक्ष्यों के विपरीत है।

उन्होंने कहा, इससे संघीय घाटा बढ़ता है और डीओजीई का काम कमजोर होता है।

बिल की ब्रांडिंग पर कटाक्ष करते हुए मस्क ने कहा, मुझे लगता है कि एक बिल बड़ा भी हो सकता है और सुंदर भी। लेकिन मुझे नहीं पता कि यह दोनों भी हो सकता है या नहीं।

ट्रंप ने बुधवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों के साथ संक्षिप्त बातचीत के दौरान मस्क की आलोचना का जवाब दिया। विधेयक का बचाव करते हुए ट्रंप ने विधेयक पर बातचीत करने में आने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया।

उन्होंने कहा, मैं इसके कुछ पहलुओं से खुश नहीं हूं, लेकिन मैं इसके अन्य पहलुओं से रोमांचित हूं। उन्होंने सुझाव दिया कि विधेयक में अभी भी संशोधन हो सकते हैं। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि क्या होता है। इसे अभी बहुत आगे जाना है।

एसएसपी अल्मोड़ा के निर्देशन पर सल्ट पुलिस गांव-गांव में लगा रही है जागरुकता चौपाल

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा । श्री देवेन्द्र पींचा, एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा विगत दिनों सराईखेत सल्ट का भ्रमण किया गया और थानाध्यक्ष सल्ट को पुलिस टीम गठित कर ग्रामीणजनों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भली-भाति जागरुक करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है।

जिस क्रम में सीओ रानीखेत श्री विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में आज दिनांक 30.05.2025 को थानाध्यक्ष सल्ट श्री प्रमोद पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया है जिसके द्वारा ग्राम इकूखेत, कुलांटेश्वर,घटबगड़, तल्ली चनौली व मल्ली चनौली में भ्रमण कर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरुक किया जा रहा है।

1-ग्रामीण लोगों को नशे के दुष्परिणामों से आगाह किया जा रहा है।

2-नशे की खेती (जैसे- भांग आदि) न करने के लिये अपील की जा रही है और साथ ही हिदायत दी जा रही है नशे की खेती करना अपराध है। ऐसा करने वाले के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही हो सकती है।

3-नशे की बिक्री या तस्करी करने वालो पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की जाती है। जिससे पकड़े जाने वालों/नशा करने वालों के जीवन के साथ- साथ उनके परिजनों के जीवन पर भी कुप्रभाव पड़ता है इसलिये हमेशा नशे का सेवन/बिक्री आदि क्रियाओं से दूर रहना चाहिए।

4-ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि नशे की खेती/बिक्री/तस्करी करने वालों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। आपकी पहचान गोपनीय रखी जायेगी।

5-ग्रामीणों ने पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान को सराहा और लोगों को जागरुक करने में सहयोग करने की सहमति जताई गयी। इसके अतिरिक्त साइबर अपराध, महिला एवं बाल अपराध, नवीन कानून, यातायात के नियम, सिटिजन पोर्टल पर मिलने वाली ऑन लाइन सुविधाओं, मानव तस्करी व विभिन्न हेल्प लाइन नम्बरों के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरुक किया गया।

मल्ला महल, अल्मोड़ा में 30 मई से 8 जून तक लगेगी आदिवासी उत्पादों की प्रदर्शनी

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। क्षेत्रीय प्रबंधक, भारतीय जनजातीय विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) ने जानकारी दी है कि 30 मई से 8 जून 2025 तक मल्ला महल, अल्मोड़ा में आदिवासी उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रदर्शनी में उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के 30 से अधिक जनजातीय उद्यमी भाग ले रहे हैं, जो साड़ियाँ, पुरुषों के कोट एवं वेस्ट कोट, मुंज-काँसी से निर्मित उत्पाद, लकड़ी एवं पत्थर की कलाकृतियाँ, पयरोग्राफी, वन धन व कृषि आधारित वस्तुएँ तथा साज-सज्जा सामग्री जैसे हस्तनिर्मित उत्पाद उचित दरों पर बिक्री हेतु प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य जनजातीय शिल्पकारों को एक सशक्त विपणन मंच प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। क्षेत्रीय प्रबंधक ने जनसामान्य से इस प्रदर्शनी में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने और जनजातीय कला व उत्पादों को प्रोत्साहन देने की अपील की है।

सुभाष उपाध्याय ने ली एडिशनल न्यायधीश के रूप में शपथ

नैनीताल, ,इंडिया वार्ता ब्यूरो। । हाईकोर्ट के अधिवक्ता सुभाष उपाध्याय ने शुक्रवार को उत्तराखण्ड हाईकोर्ट के एडिशनल न्यायधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। उन्हें मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति जी नरेंद्र ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अब उत्तराखंड हाईकोर्ट में अब कुल जजों की संख्या 10 हो गई है।

मुख्य न्यायधीश कोर्ट में हुए शपथ ग्रहण समारोह के शुरू में रजिस्ट्रार जनरल कहकशा खान ने राष्ट्रपति की ओर से जारी नियुक्ति पत्र की अधिसूचना पढ़ी। जिसके बाद सुभाष उपाध्याय ने विधिवत एडिशनल जज के पद की शपथ ली। सुभाष उपाध्याय को हाईकोर्ट का जज बनाये जाने की संस्तुति उत्तराखंड के हाईकोर्ट की कॉलिजियम ने सितम्बर 2022 में की थी। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने 12 अप्रैल 2023 को सुभाष उपाध्याय को उत्तराखंड हाईकोर्ट का जज बनाये जाने की संस्तुति की। 2 साल के लंबे इंतजार के बाद अब उन्हें जज बनाया गया है।

बता दें सुभाष उपाध्याय हाईकोर्ट में मुख्य स्थायी अधिवक्ता सहित कई पदों में भी रह चुके हैं। उनकी शिक्षा दीक्षा लखनऊ में हुई। शपथ ग्रहण समारोह में न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा, महाधिवक्ता एस एन बाबुलकर, मुख्य स्थायी अधिवक्ता चंद्रशेखर रावत, शासकीय अधिवक्ता अमित भट्ट, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गा सिंह मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ता अवतार सिंह रावत,वी बी एस नेगी, डॉ. महेंद्र पाल,बी डी उपाध्याय,के पी उपाध्याय, टी ए खान, पुष्पा भट्ट,पुष्पा जोशी,जानकी सूर्या, डी सी एस रावत, बी डी कांडपाल, सेवानिवृत्त न्यायधीश सर्वेश गुप्ता, प्रमुख सचिव न्याय प्रदीप पन्त, प्रमुख सचिव संसदीय के धनन्जय चतुर्वेदी, राज्यपाल के विधि सलाहकार, सालसा जे सदस्य सचिव प्रदीप मणि, उजाला के निदेशक गोयल, जिला जज नैनीताल सुबीर कुमार,आई जी कुमाऊं रिधिम अग्रवाल, एस एस पी नैनीताल प्रह्लाद नारायण मीणा,अपर जिलाधिकारी विवेक राय सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, हाईकोर्ट के न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

बांग्लादेशी महिला ने जेल से छुटने के बाद पति संग मिलकर बना डाली भारतीय आईडी, मामला दर्ज

रुद्रपुर, ,इंडिया वार्ता ब्यूरो। 21 साल पहले अवैध तरीके से भारत आने के दौरान रामपुर में पकड़ी गई बांग्लादेशी महिला ने जमानत पर छूटने के दौरान रुद्रपुर के व्यक्ति से शादी कर ली।

साथ ही उसने पति संग मिलकर स्वयं को भारतीय नागरिक दर्शाते हुए धोखाधड़ी कर भारतीय मूल का आधार कार्ड व वोटर आइडी भी बना ली। सत्यापन अभियान के दौरान सच सामने आने पर ऊधम सिंह नगर पुलिस ने दोनों के विरुद्ध प्रथमिकी कर ली है।

एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि ग्राम तितूलिया दुपचचिया ढाका (बांग्लादेश) निवासी बिलकिस पुत्री शमशुद हक वर्ष 2004 में अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत आई थी। जिसके बाद उसे रामपुर (उप्र) पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। जिसके विरुद्ध जिला रामपुर में विदेशी अधिनियम की धारा-14 के तहत प्राथमिकी पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया था। वर्तमान में वह जमानत पर है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। करीब एक साल बाद जमानत पर रिहा होने पर बिलकिस ने पहाड़गंज रुद्रपुर निवासी अनवर अली से विवाह कर लिया था।

विवाह के बाद से वह अनवर अली के साथ रुद्रपुर में रह रही थी। न्यायालय में मामला विचाराधीन होने की वजह से खुफिया विभाग उस पर नजर रखे हुए था। इस बीच चले सत्यापन अभियान के दौरान सामने आया कि अनवर अली ने विवाह के बाद बिलकिस का भारतीय आधार कार्ड और वोटर आइडी तैयार करवा ली है। रम्पुरा पुलिस स्टेशन प्रभारी प्रदीप कोहली की ओर से दोनों पर बीएनएस की धारा 318(4) के तहत प्राथमिकी पंजीकृत कर हिरासत में ले लिया।

शानदार कहानी के साथ, षष्ठिपूर्ति उच्च तकनीकी मानकों वाली होगी : आकांक्षा सिंह

डॉ. राजेंद्र प्रसाद और अर्चना अभिनीत फिल्म षष्ठीपूर्ती, जिसमें रूपेश और आकांक्षा सिंह मुख्य भूमिका में हैं और पवन प्रभा द्वारा निर्देशित, रूपेश द्वारा एमएए एएआईई प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित है। यह फिल्म इस महीने की 30 तारीख को रिलीज होने वाली है। पहले से रिलीज हो चुके गाने, टीजर और ट्रेलर ने दर्शकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। मल्ली रावा, देवदास और परम्परा जैसी परियोजनाओं से तेलुगु दर्शकों को प्रभावित करने वाली आकांक्षा सिंह अब षष्ठीपूर्ती लेकर आ रही हैं। फिल्म के प्रचार के हिस्से के रूप में, उन्होंने मीडिया से बातचीत की। मैं काफी समय बाद तेलुगु सिनेमा में वापसी कर रहा हूँ। महामारी ने मेरे लिए एक बड़ा ब्रेक ला दिया। शुरुआत में, नानी की बहन दीप्ति गंटा द्वारा निर्देशित मीट क्यूट को सिनेमाघरों में रिलीज़ करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अंततः इसे ओटीटी पर रिलीज़ किया गया। अब षष्ठीपूर्ती को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जा रहा है। फिल्म अद्भुत और तकनीकी रूप से बेहतरीन है। इलैयाराजा का संगीत निश्चित रूप से सभी को प्रभावित करेगा।

शाष्टीपूर्ती में मैं जानकी नाम की एक लड़की का किरदार निभा रही हूँ। मैं कहानी सुनने के लिए हैदराबाद आई थी और जैसे ही मैंने इसे सुना और अपनी भूमिका के बारे में जाना, मैंने इसे करने के लिए हामी भर दी। आज के समय में ऐसी कहानियों की बहुत ज़रूरत है। मैंने एक ग्रामीण लड़की की भूमिका निभाई है और मैं एक मंदिर की कोषाध्यक्ष के रूप में नज़र आऊँगी। मैं इस फ़िल्म में एक पारंपरिक तेलुगु महिला के रूप में नज़र आऊँगी। अब तक, मैंने कभी भी एक पूर्ण रूप से पारंपरिक तेलुगु लड़की की भूमिका नहीं निभाई थी। मैंने इससे पहले लंगवोनी (पारंपरिक दक्षिण भारतीय पोशाक) नहीं पहनी थी। हमने राजमुंदरी में एक महीने से ज़्यादा समय तक शूटिंग की। मैं गोदावरी क्षेत्रों को कभी नहीं भूल पाऊँगी। हमने चिलचिलाती धूप में बहुत मेहनत की और नावों में भी यात्रा की। वे यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। गोदावरी की खूबसूरती को स्क्रीन पर और भी खूबसूरती से कैद किया गया है। मैंने राजेंद्र प्रसाद सर के साथ बेंच लाइफ़ में काम किया था। मुझे इस फ़िल्म में फिर से उनके साथ काम करने का मौका मिला। उनके साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा। जब भी हमने साथ में अभिनय किया, हमने भावनात्मक दृश्यों के लिए कभी ग्लिसरीन का इस्तेमाल नहीं किया - हमने उन्हें स्वाभाविक रूप से निभाया। षष्ठीपूर्ति पर काम करना एक अभिनय विद्यालय में जाने जैसा था। मैंने इस फ़िल्म के ज़रिए बहुत कुछ सीखा।

एलिवेटेड रोड के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। बस्ती बचाओ आंदोलन, सीटू, महिला समिति से जुड़े कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान सभी प्रस्तावित एलिवेटेड रोड परियोजना का विरोध किया। मांगों को लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया। वक्ताओं ने कहा कि बस्तियों में जिन मकानों को अवैध घोषित किया गया है, उनमें रह रहे लोगों के लिए सरकार मुआवजे का प्रावधान करे और पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा प्रभावितों को बाजार दर पर मुआवजा देने, बस्तीवासियों को मालिकाना हक देने, चार श्रम संहिताओं, मोटर यान अधिनियम का निर्णय वापस लेने, न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये देने, पुरानी पेंशन बहाल करने, महंगाई कम करने के लिए ठोस कदम उठाने समेत अन्य मांगों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि शासन, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधि प्रभावितों के हित में कार्य करें। इस दौरान बारिश भी हुई, लेकिन प्रदर्शन जारी रहा। इस अवसर पर संयोजक अनंत आकाश, सीटू के महामंत्री लेखराज, जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष नुरैशा अंसारी, वरिष्ठ समाजसेवी मौहम्मद अल्ताफ, नरेन्द्र सिंह, प्रेमा गढ़िया, विप्लव अनन्त, बिन्दा मिश्रा, राजेन्द्र शर्मा, रविंद्र नौडियाल, हरीश चन्द्र, शबनम, सुरेशी नेगी, यूएन बलूनी, लोकेश, रविंद्र नौडियाल, सुनीता चौहान, सरोज, कलावती, अमित कुमार, दिलीप सिंह, डॉ अनिल कुमार, अश्वनी कुमार, उमा, राजबीर, सुनील कुमार, सहदेव आदि मौजूद रहे। इन्होंने दिया समर्थन आंदोलन को सीटू के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र नेगी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवप्रसाद देवली, किसान सभा के महामंत्री गंगाधर नौटियाल, एसएफआई महामंत्री हिमांशु चौहान, कर्मचारी नेता एसएस नेगी, एलआईयू के महामंत्री शम्भू प्रसाद ममगाई, उत्तराखंड आंदोलनकारी परिषद के संरक्षक नवनीत गुसांई ने प्रदर्शन किया।

प्रत्येक नागरिक को उत्पादों के मानकों की जानकारी होनी चाहिए : मुन्ना सिंह चौहान

विकासनगर के ग्राम बारोटीवाला में "मानक चौपाल" का आयोजन

विकासनगर,इंडिया वार्ता ब्यूरो। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), देहरादून द्वारा ग्राम बारोटीवाला, ब्लॉक विकासनगर, जनपद देहरादून स्थित अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज में मानक चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण उपभोक्ताओं को गुणवत्ता मानकों, मानकीकरण, आईएसआई चिह्नित उत्पादों तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, क्षेत्रीय विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने चौपाल में उपस्थित ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को उत्पादों की गुणवत्ता और मानकों की जानकारी अवश्य होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने बच्चों को स्टैंडर्ड क्लब का हिस्सा बनाएं ताकि एक जागरूक, सशक्त और गुणवत्ता-संवेदनशील समाज का निर्माण हो सके।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि मधु तोमर चौहान, जिला पंचायत प्रशासक ने महिलाओं को विशेष रूप से संबोधित करते हुए हॉलमार्क ज्वेलरी की पहचान कर ही आभूषण खरीदने का आग्रह किया। वहीं, क्षेत्र पंचायत प्रशासक जसबिंदर सिंह ने इस आयोजन को ग्रामीण क्षेत्र में उपभोक्ता जागरूकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। ग्राम प्रधान अनीता के साथ बड़ी संख्या में ग्रामवासी भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत बीआईएस देहरादून के निदेशक सौरभ तिवारी द्वारा मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। उन्होंने मानक चौपाल की भूमिका को रेखांकित करते हुए बताया कि यह पहल ग्रामीण समुदाय को गुणवत्ता और उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने में एक सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर बीआईएस अधिकारियों द्वारा उपस्थित जनसमूह को आईएसआई चिह्न की पहचान, नकली उत्पादों से बचाव, तथा ष्बीआईएस केयरष् मोबाइल एप के उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उपभोक्ताओं के अधिकारों, गुणवत्ता युक्त उत्पादों की खरीद के लाभ और प्रमाणीकरण प्रक्रिया पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मानक चौपाल कार्यक्रम ने ग्राम बारोटीवाला में गुणवत्ता और मानकों के प्रति एक नई सोच को जन्म दिया, जिसे स्थानीय नागरिकों ने भरपूर सराहा। बीआईएस की यह पहल निश्चित रूप से भविष्य में ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए एक मार्गदर्शक सिद्ध होगी। इस अवसर पर सौरभ चौरसिया, सहायक निदेशक, सरिता त्रिपाठी, मानक संवर्धन अधिकारी, एवं बिशन रावत, संसाधन अधिकारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में सक्रिय सहभागिता निभाई।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। उत्तराखंड में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को फिर प्रदेश के कई पहाड़ी और मैदानी जिलों में बारिश का अंदेशा जताया है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर किया है। वहीं तेज झोंकेदार हवाएं लोगों की परेशानियों को बढ़ा सकती हैं। उत्तराखंड मौसम विभाग के मुताबिक उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के अनेक स्थानों व हरिद्वार और उधम सिंह नगर में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। राज्य के जनपदों के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश गरज के साथ हो सकती है। उत्तराखंड मौसम विभाग के मुताबिक राज्य के पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। प्रदेश के पहाड़ी जिले में कहीं-कहीं गरज व आकाशीय बिजली चमकने के साथ तेज बारिश हो सकती है। तेज झोंकेदार हवाएं (30-40 किमी/घंटा) चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट किया जारीरू राज्य के मैदानी जनपदों में कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने व झोंकेदार हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है। जिसके लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है देहरादून में आसमान मुख्यतरू साफ रहने को लेकर आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ क्षेत्रों में कहीं-कहीं सुबह और शाम गरज व चमक के साथ बारिश हो सकती है। तेज झोंकेदार हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस व 23 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की संभावना है। बता दें कि उत्तराखंड में बीते दिन से रुक-रुक कर हो रही बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर उत्तरांचल प्रेस क्लब में पत्रकारों का सम्मान, स्मारिका 'गुलदस्ता' का हुआ विमोचन

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तरांचल प्रेस क्लब में हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर एक गरिमामय समारोह में प्रदेश के वरिष्ठ और सक्रिय पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महानिदेशक सूचना व विशिष्ठ अतिथि डॉ. देवेन्द्र भसीन, वक्तागण गिरीश चन्द्र गुरूरानी, निशिथ जोशी, रमेश भट्ट, ज्योत्सना व प्रेस क्लब अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह कण्डारी, महामंत्री सुरेन्द्र डसीला, कोषाध्यक्ष अनिल चंदोला, स्मारिका के संपादक शूरवीर भण्डारी ने संयुक्त रूप से स्मारिका 'गुलदस्ता' का विमोचन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क विभाग बंशीधर तिवारी ने सभी पत्रकारों को हिन्दी पत्रकारिता दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में पत्रकारिता की अहम भूमिका रही है। पत्रकारों ने स्वतंत्र आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया।

महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने कहा कि जिस तरह आज हिन्दी में अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग किया हो रहा है, उससे हिन्दी को अपने शुद्धतम स्वरूप में बचाए रखना एक चुनौती है। उन्होंने आलोचना को सूचना के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के सामूहिक बीमा योजना/ गोल्डन कार्ड की तर्ज पर स्वास्थ्य सुविधा के लिए अगले हफ्ते बीमा संगठनों और पत्रकार संगठनों की बैठक बुलाई गई है। जिला/तहसील स्तर पर पत्रकारों को मान्यता देने की प्रक्रिया गतिमान है, साथ ही मीडिया संस्थानों का मान्यता प्राप्त पत्रकारों का कोटा भी बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हमेशा सजग रहते है।

उन्होंने कहा कि उत्तरांचल प्रेस क्लब की नजूल भूमि को फ्री-होल्ड करने का प्रस्ताव शासन को भेज रखा है जिसे शीघ्र ही कैबिनेट में रखा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही उत्तरांचल प्रेस क्लब के नए भवन का निर्माण शुरू करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया नियमावली का ड्राफ्ट सुझाव के लिए सूचना विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। उन्होंने पत्रकारों से अपील की है कि जल्द से जल्द अपने सुझाव दे ताकि सोशल मीडिया नीति को अंतिम रूप दिया जा सके।

विशिष्ठ अतिथि डॉ. देवेन्द्र भसीन ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। आज जब सूचना का प्रवाह तेज़ है, तब पत्रकार की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। सच को बिना भय और पक्षपात के सामने लाना ही सच्ची पत्रकारिता है। हमें गर्व है कि हिन्दी पत्रकारिता ने हमेशा समाज की आवाज़ को मजबूती दी है।

वक्ता गिरीश चन्द्र गुरूरानी ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता ने हर दौर में अपनी प्रासंगिकता सिद्ध की है। चाहे वो आज़ादी की लड़ाई हो या आज का डिजिटल युग। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पत्रकारिता का उद्देश्य जनसेवा है, न कि सनसनी।

वक्ता निशिथ जोशी ने कहा कि आज की पत्रकारिता चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। तथ्यों की जांच और ज़िम्मेदार रिपोर्टिंग ही इसकी पहचान है। हमें भाषा, भाव और भरोसे दृ इन तीनों का संतुलन बनाकर काम करना होगा।

वक्ता रमेश भट्ट ने कहा कि पत्रकार सिर्फ खबर नहीं देता, वह समाज को दिशा भी देता है। हिन्दी पत्रकारों को चाहिए कि वे अपनी भाषा की ताकत को पहचानें और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दें।

वक्ता ज्योत्सना ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता ने ग्रामीण भारत और आम जनमानस की आवाज़ को मंच दिया है। आज आवश्यकता है कि हम तकनीक और संवेदनशीलता, दोनों का उपयोग करते हुए जनपक्षधर पत्रकारिता को आगे बढ़ाएं।

उत्तरांचल प्रेस क्लब अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह कण्डारी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब महामंत्री सुरेन्द्र सिंह डसीला व कोषाध्यक्ष अनिल चन्दोला ने किया।

इसके अलावा अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे।

सम्मानित पत्रकारों की सूची में 50 से अधिक नाम शामिल हैं'', जिनमें वरिष्ठ पत्रकार, फोटो व वीडियो जर्नलिस्ट और सोशल मीडिया पत्रकार भी शामिल हैं। जो इस प्रकार हैं।

ओमप्रकाश आहूजा, आईपी उनियाल, उपेंद्र शर्मा, जय सिंह रावत, दिनेश शास्त्री, दर्शन सिंह रावत, नवीन थलेड़ी, दिनेश शक्ति त्रिखा, डॉ. वीडी शर्मा, भारती सकलानी, दीपक उपाध्याय, राकेश खंडूड़ी, विकास धूलिया, चंद्रशेखर बुड़ाकोटी, किरन शर्मा, संजय कोठियाल, प्रदीप गुलेरिया, संजय घिल्डियाल, अरविन्द शेखर, प्रवीन बहुगुणा, नवीन थलेड़ी, आशीष ध्यानी, तिलकराज, रवि बीएस नेगी, अरविन्द सिंह, अंकुर अग्रवाल, भूपेंद्र राणा, संजय किमोठी, प्रदीप फरस्वाण, इंद्रदेव रतूड़ी, गजेंद्र नेगी, गौरव मिश्रा, रामानुज, मनीष डंगवाल, अवधेश नौटियाल, धीरज सजवाण, अंकित शर्मा, ध्रुव मिश्रा, सीनियर फोटो जर्नलिस्ट राजेश बड़थ्वाल, राजीव गुप्ता, नवीन कुमार, अमित शर्मा, संजय नेगी, अनिल डोगरा, सीनियर वीडियो जर्नलिस्ट किशोर अरोड़ा, हर्ष उनियाल, सोशल मीडिया जर्नलिस्ट राजेश बहुगुणा को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रेस क्लब कार्यकारिणी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष सुलोचना पयाल, संयुक्त मंत्री रश्मि खत्री, अभय सिंह कैन्तुरा, सम्प्रेक्षक शिवेश शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य पंकज भट्ट, संदीप बड़ोला, योगेश रतूड़ी, रमन जायसवाल, दीपक बड़थ्वाल, किशोर रावत, मनबर सिंह रावत, अजय सिंह राणा, मीना नेगी आदि उपस्थित थे।

एसएचए ने पांच अस्पतालों को आयुष्मान योजना से हटाया

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण उत्तराखंड ने आयुष्मान योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध पांच अस्पतालों की सूचीबद्धता रद्द कर दी है। इनमें तीन अस्पताल जनपद देहरादून व एक-एक पिथोरागढ़ व यूएस नगर के अस्पताल शामिल हैं। हटाए गए अस्पतालों पर विगत छह माह से आयुष्मान योजना की गतिविधियों में निष्क्रियता के चलते यह कार्रवाई हुई है। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीना जोशी आईएएस ने कहा कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध प्रत्येक अस्पताल को मानकों के अनुरूप अनिवार्यतः कार्य करना होगा। निष्क्रिय अस्पतालों की सूचीबद्धता समाप्त करने के लिए मानक बनाए गए हैं उसी के अनुरूप कार्रवाई की गई है। प्राधिकरण प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों में देहरादून के जीवन ज्योति क्लीनिक, मार्स हास्पिटल व श्री सिद्धी विनायक हेल्थ सेंटर को डिइंपैनल किया गया है। वहीं पिथोरागढ़ के बिष्ट हास्पिटल व उधम सिंह नगर के आई साइट सुपर स्पेशलिटी आई केयर सेंटर को आयुष्मान की सूचीबद्धता से बाहर किया गया है।

उक्त सभी गैर सूचीबद्ध हुए अस्पतालों में गत छह माह से आयुष्मान योजना की गतिविधियां शून्य रही हैं। ऐसी निष्क्रियता के कारण योजना संचालन के मानकों के अनुरूप उक्त अस्पतालों की सूचीबद्धता का कोई औचित्य नहीं रह जाता। प्राधिकरण ने पहले एक माह का नोटिस उक्त अस्पतालों को भेजा। लेकिन अस्पताल से कोई जबाब नहीं आया। नोटिस की एक माह की अवधि समाप्त होने पर प्राधिकरण ने उक्त अस्पतालों की सूचीबद्धता रद्द कर दी है। सीईओ ने कहा कि आयुष्मान योजना का समुचित लाभ अंतिम छोर पर खड़े आम लाभार्थी तक पहुंचाना प्राधिकरण की प्राथमिकताओं में है। इसके लिए समय समय पर मॉनिटरिंग के साथ साथ सख्त निर्देश भी जारी किए जाते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

प्रथम पृष्ठ का शेष

ऑपरेशन सिंदूर ..

भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। अब हमारी सेना दुश्मन की गोली का जवाब गोलों से देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लिए गए कड़े फैसले देश के दुश्मनों की रीढ़ तोड़ने का काम कर रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद तुरंत फैसला लेते हुए सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया गया। पाकिस्तान के साथ सभी व्यापारिक रास्ते बंद कर दिए गए हैं, क्योंकि ट्रेड और टेरर एक साथ नहीं चल सकते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सैनिकों के हित में भी कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं। वन रैंक-वन पेंशन, नेशनल वॉर मेमोरियल का निर्माण, रक्षा बजट में वृद्धि के साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। शहीदों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए किया गया है। सेना में परमवीर चक्र से लेकर मेन्सन इन डिस्पैच तक सभी वीरता पुरस्कारों से अंलकृत सैनिकों को दी जाने वाली एकमुश्त तथा वार्षिकी राशि में भी वृद्धि की गई है। बलिदानियों के परिवार के एक सदस्य को राज्य की सरकारी नौकरी में समायोजित करने का भी निर्णय लिया गया है और इसके लिए आवेदन करने की अवधि को 2 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष किया गया है। राज्य में वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों और पूर्व सैनिकों को सरकारी बसों में यात्रा की निःशुल्क व्यवस्था की गई है।

सेवारत व पूर्व सैनिकों के लिए 25 लाख रुपए मूल्य की स्थायी सम्पत्ति की खरीद पर स्टाम्प ड्यूटी में 25 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की जा रही है। प्रदेश के शहीदों की स्मृति में देहरादून के गुनियाल गांव में एक भव्य सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है।

सैनिक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड वीरों की भूमि है, राष्ट्र भक्तों की भूमि है। उन्होंने कहा कि देश को रक्षा के लिए हर पांचवा सैनिक उत्तराखण्ड से होता है। प्रथम विश्वयुद्ध से लेकर आज तक राज्य के हजारों रणबांकुरे भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे चुके हैं। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रत्येक युद्ध में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद अब भारत को डरा नहीं सकता अब भारत आतंक के गढ़ में घुसकर उसका खात्मा करना जानता है । इस अवसर पर सचिव सैनिक कल्याण श्री दीपेन्द्र चौधरी, स्टेशन कमांडर आर.एस.थापा, निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर (से.नि.) अमृत लाल, उपनल के एमडी ब्रिगेडियर (से.नि.) जे.एन.एस.बिष्ट सहित रक्षा सेनाओं के सेवावित्त अधिकारी ले.जनरल ए.के.सिंह, रियर एडमिरल ओ.पी.एस.राणा, एअर मार्शल डी.एस.रावत, ले.जनरल टी.पी.एस.रावत, रियर एडमिरल अनुराग थपलियाल, मेजर जनरल ओ.पी.सोनी, मेजर जनरल डी.अग्निहोत्री, मेजर जनरल पी.एस.राणा, मेजर जनरल नीरज वर्मा, मेजर जनरल आनंद सिंह रावत, मेजर जनरल एम.एस.असवाल, मेजर जनरल के.डी.सिंह, ब्रिगेडियर के.जी.बहल और पूर्व सैनिक संगठनों के पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने की मानसून सत्र को लेकर तैयारियों की समीक्षा

विभागों को बरसाता से पहले सभी तैयारियां पूर्ण करने के दिए निर्देश

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने शुक्रवार को देहरादून राजपुर रोड़ स्थित वन मुख्यालय के मंथन सभागार में चारधाम यात्रा एवं आगामी मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने आपदा प्रबंधन के तहत जनहित से जुड़े सभी कार्यो को मानसून से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उपाध्यक्ष ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि आपदा राहत एवं बचाव कार्यो में सभी विभाग टीम भावना एवं सकारात्मक ऊर्जा के साथ कार्य करें और आपदा प्रबंधन के तहत जनहित से जुड़े कार्यो को पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समयबद्वता के साथ पूरा किया जाए। कहा कि मा0 मुख्यमंत्री की अपेक्षा के अनुसार आपसी समन्वय एवं सहयोग से ही हम आपदा की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाएंगे।

उपाध्यक्ष ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानसून से पहले नदी, नहर और बरसाते नालों को चैनलाइज करने का काम हर हाल में पूरा करें। ताकि पानी का प्रवाह स्मूथ बना रहे और बरसात में किसी प्रकार का नुकसान न हो। एनएच, पीएमजीएसवाई एवं लोक निर्माण विभाग को निर्धारित मानक एवं गुणवत्ता के साथ सड़कों का निर्माण कार्य पूरा करने, सड़कों को गढ्डामुक्त बनाने, सड़क किनारे नालियां, स्कवर की साफ-सफाई कराने और सड़कों की मौजूदा स्थिति का स्वयं आंकलन करने

के निर्देश दिए। कहा कि सड़कों के किनारे पडे मलबे का त्वरित निस्तारण करें। मानसून सत्र के लिए जेसीबी ऑपरेटर, जेई, एई सबके संपर्क नंबर अपडेट रखें। मानसून के दौरान कोई भी अधिकारी अपना फोन बंद न रखे।

नगर निगम, नगर पालिका एवं स्मार्ट सिटी शहर में जलभराव वाले स्थानों का स्थाई समाधान करें। शहर की नदी एवं सभी नालों की अच्छी तरह से सफाई की जाए। आईएसबीटी सीमा द्वार एवं अन्य स्थान जहां पर नाली बनाने की जरूरत है, वहां पर तत्काल नाली बनाई जाए। क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत की जाए। जल संस्थान को पेयजल समस्याओं का त्वरित समाधान करने और सड़क एवं गलियों में सीवर लाइन के खुले मेनहोल बंद करने के निर्देश दिए।

ट्रैफिक पुलिस को बरसात के दौरान यातायात का उचित प्रबंधन करने, प्रमुख चौराहों एवं क्रॉसिंग पर ड्यूटी निर्धारित करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग को जर्जर विद्यालय भवनों से बच्चों को शिफ्ट करने, लीकेज छतों की मरम्मत के साथ ही बरसात में बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत स्कूल परिसर में समुचित इंतजाम करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को बिजली के झुके पोल बदलने, झूलती तारों को ठीक करने व बरसात में करंट लगने की घटना न हो इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जिले के सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्था का स्वयं निरीक्षण करने, दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक रखने, वार्डो एवं अस्पताल परिसरों में विशेष स्वच्छता रखने के निर्देश दिए। कहा कि जल जनित रोग डेंगू, मलेरिया, हैजा के साथ ही कोविड उपचार हेतु अस्पतालों में पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। पशुपालन चिकित्सा विभाग को पशु सेवा केंद्रों पर आवश्यक दवाइयां और पशु चारा बैंकों में पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए। पूर्ति विभाग को सभी राशन डीलरों को तीन महीने का अग्रिम खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने और खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष ने सिविल डिफेंस को भी नई तकनीक के साथ अपग्रेड करने की बात कही।

उपाध्यक्ष ने कहा कि विभाग अच्छे कार्य कर रहे है तो प्रमाणिकता भी दिखाई देनी चाहिए। इसलिए अधिकारी अपने दफ्तरों तक सीमित न रहे, बल्कि अपने-अपने कार्यक्षेत्रों का नियमित भ्रमण भी करें। इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर किए जा रहे कार्यो की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा, एसडीएम हरिगिरी सिंह, एसडीएम प्रत्यूष सिंह, एसडीएम अपूर्णा ढौडियाल, एसडीएम विनोद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज कुमार शर्मा, उप नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल, सीवीओ डॉ विद्यासागर कापडी, सीईओ वीके ढौंडियाल, डीडीएमओ ऋषभ कुमार सहित पुलिस, सिवल डिफेंस, सड़क, पेयजल, विद्युत, खाद्यन्न आदि रेखीय विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

अंकिता हत्याकांड में फैसला आने के बाद राजनीति शुरू, कांग्रेस बताया अधूरा न्याय

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में कोटद्वार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुना दिया है। जिसमें कोर्ट ने अंकिता भंडारी हत्याकांड के तीनों आरोपियों पुलकित आर्या, अंकित गुप्ता और सौरभ भास्कर को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अंकिता भंडारी हत्याकांड पर तीन साल बाद आये फैसले पर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। जहां हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस फैसलों को न्याय बताया है, वहीं, कांग्रेस ने इसे अधूरा न्याय बताया है। हरिद्वार सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अंकिता भंडारी मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा इस मामले में भले ही थोड़ा सा देरी हुई है लेकिन फैसला आ गया है। उन्होंने कहा अंकिता भंडारी की हत्या के बाद उत्तराखंड ही नहीं देशभर में आक्रोश था। यह मामला बेहद चर्चित रहा. आज तीनों आरोपियों को कोर्ट ने सजा देकर परिवार को न्याय देने का काम किया है। उन्होंने कहा फैसले से एक बार फिर न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा मजबूत हुआ है। कांग्रेस के दिग्गज नेता हरीश रावत ने सोशल मीडिया पर इसे लेकर पोस्ट किया. हरीश रावत ने लिखा अंकिता हत्याकांड पर आखिर फैसला आ गया। जिसमें तीनों दोषियों को आजीवन कारावास हुई है। हरीश रावत ने लिखा वे इस मामले में फांसी की सजा की उम्मीद कर रहे थे। उन्होंने कहा यह राज्य सरकार के अभियोजन पक्ष की कमी है कि उन्होंने उस वीआईपी को बचाने में सफलता पा ली जो इस हत्याकांड का एक बड़ा गुनहगार है। इस मामले में लोगों का भी कहना है कि इस मामले को सत्ता पक्ष ने पहले ही दिन दबाने का भरपूर प्रयास किया और वह उसमें कामयाब भी रहे। रिजार्ट के सीसीटीवी कैमरे से कोई साक्ष्य न मिलने व रातों-रात अंकिता के कमरे में भी बुलडोजर चलाकर साक्ष्य मिटा दिए गए जांच टीम आरोपियों के मोबाइल तक बरामद नहीं कर सकी। जिसके कारण इस मामले में पूरा इंसाफ नहीं हो सका।

अंकिता के दोषियों को सजा देव भूमि वासियों को संतोष देने वाला निर्णय : भट्ट

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने दुखद अंकिता प्रकरण में आए न्यायालय के निर्णय को देवभूमिवासियों को संतोष देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों के अकाट्य सबूतों और मजबूत पैरवी के चलते हम दिवंगत बेटी को न्याय दिलाने में सफल हुए हैं। अब राजनैतिक एवं सामाजिक पक्षों को भी, मुद्दे की संवेदनशीलता और गंभीरता को ध्यान में रखते हुए प्रतिक्रिया देने की जरूरत है। विभिन्न माध्यमों पर मीडिया से हुई बातचीत में उन्होंने कहा कि अंकिता की निर्मम हत्या से उसके परिजनों के जीवन की कमी कोई दूर नहीं कर सकता है। लेकिन कोटद्वार अदालत का इस घटना के तीनों दोषियों को कठोरतम सजा के रूप में तमाम उम्र जेल में रखने का आदेश, उनकी पीड़ा को कुछ कम करने का काम अवश्य सफल होगा। न्यायिक प्रक्रिया के पूर्णत: पालन करने से आए इस निर्णय में थोड़ा समय अवश्य लगा, लेकिन फिर भी रिकॉर्ड पौने तीन साल के बाद आया यह निर्णय दुखी प्रदेशवासियों को संतुष्टि देने वाला है। उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में, इस प्रकरण को अंजाम तक पहुंचाने के लिए जांच एजेंसियों की भी सराहना की है। क्योंकि जिस तरह संज्ञान में आते ही एफआईआर के बाद 24 घंटे में दोषियों की गिरफ्तारी हुई और 48 घंटे में मृतक का शव भी बरामद किया गया। एजेंसियों ने तमाम फॉरेंसिक एवं नवीन तकनीक का इस्तेमाल किया और आरोपियों के खिलाफ मजबूत एवं अकाट्य सबूत एकत्र किए गए। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी ने भी स्पष्ट किया था कि दोषियों को कठोरतम सजा सुनिश्चित करवाई जाएगी। उनके निर्देश पर जांच और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर पीड़ित परिवार की सहमति से ही सभी कार्यवाही आगे बढ़ाई गई। जांच के विस्तृत दायरे और गवाहों एवं सबूतों की बड़ी संख्या होने के बावजूद न्यूनतम समय में न्याय सबके सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी भी सेशन कोर्ट के इस निर्णय का सम्मान करते हुए संतोष व्यक्त करती है। उन्होंने राजनैतिक दलों, सामाजिक संस्थाओं और सभी पक्षों से इस दुखद प्रकरण को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेने का आग्रह किया है। पारदर्शी एवं ईमानदार भारतीय न्यायिक प्रक्रिया के इस निर्णय को लेकर सबको, बेहद जिम्मेदारी से प्रतिक्रिया देने की जरूरत है।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222